हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना

1019. **श्री रामजेठमलानी** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने हाल ही में एक योजना को लागू करने की घोषणा की है जिसके तहत पूरे देश में करीबन 3000 हथकरघा विकास केन्द्रों को खोलने की योजना है :

(ख) इन सभी केन्द्रों को कब तक स्थापित किया जाएगा ।

(ग) इन हथकरघा विकास केन्द्रों से हथकरघा बुनकरों को होने वाले फायदे क्या हैं ; और

(घ) इन केन्द्रों को खोलने का वार्षिक लक्ष्य क्या है तथा प्रत्येक केन्द्र की स्थापना में कितनी रकम के खर्च होने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) और (ख) सरकार ने आठवीं योजना के दौरान कार्यान्वियन हेतु बुनकर बाहुल्य क्षेत्रों में हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना के लिए एक अंतरिम प्रस्ताव तैयार किया है ।

(ग) इस प्रस्तावित योजना में कच्चे माल की आपूर्ति, विपणन के लिए सहायता, मार्जिन मनी, प्रशिक्षण निवेश और गुणवत्ता रंगाई सुविधा पर बल दिया गया है ।

(घ) यह प्रस्ताव अभी अंतरिम स्थिति में है।

Vigilance Committee to Prevent Corruption in NTC

1020. SHRI SATISH PRADHAN : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether Government have received several complaints from the trade unions regarding rampant corruption in NTC mills;

(b) whether Government has made any enquiries in the alleged charges. If so, what are the findings thereof; and

(c) whether Government propose to set up vigilance committee of professionals to prevent the corrption specificaly in high level of management ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY) : (a) Yes, Sir.

(b) Complaints, as and when received, are examined at the appropriate level viz. Government, Holding Company, Subsidiary etc. Surprise checking and inspections, including Audit Inspection etc., are conducted and necessary punitive action is take on case to case basis after due investigation|enquiry.

(c) No, Sir.

मूल्य वर्धित वस्त्र उत्पादों का निर्यात

1021. **डा. जितेन्द्र कुमार जैन** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश से कपास के बजाय सूत, सूत के बजाय कपड़ा तथा कपड़ा के बजाए सिले-सिलाए वस्त्रों का निर्यात करके ज्यादा विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है ;

(ख) यदि हां, तो कपास के बजाय सूत, सूत के बजाय कपड़ा तथा कपड़ा के बजाए सिले सिलाए वस्त्रों का निर्यात किया जाए तो लाभ में कितने प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है ;

(ग) क्या यह सच है कि 31 मार्च, 1992 को देश में कुल 829 कताई मिलें थीं ;

(घ) यदि हां, तो उनकी सूत उत्पन्न करने की कुल क्षमता कितनी है और क्या इन मिलों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इनकी क्षमता के उपयोग की औसत दर क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) यह सच है कि कच्ची कपास